51,200 वर्ष प्राचीन गुफा चित्रकला की खोज

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में एक शोध किया गया जिसमें **काल निर्धारण की नवीन तकनीक** के उपयोग द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि **विश्व की प्राचीनतम ज्ञात आलंकारिक गुफा चित्रकला** लगभग **51,200 वर्ष पुरानी** है।

- यह चित्रकला **इंडोनेशिया** के **सुलावेसी द्वीप** में एक **चूना पत्थर गुफा** की छत पर पाई गई हैं।

चित्रकला से संबंधित प्रमुख बिंदु क्या हैं?

- **कलात्मक चित्रण:** चित्र में दर्शाया गया है:
  - एक **सुअर की आकृति** जिसका मुख आंशिक रूप से खुला हुआ है।
  - सुअर के इर्द-गिर्द **तीन मानव जैसी आकृतियाँ**:
    - सबसे बड़ी आकृति **हाथ फैलाए**, एक छड़ पकड़े हुए है।
    - **दूसरी आकृति** सुअर के सामने हाथ में एक छड़ी के साथ है।
    - तीसरी आकृति **उल्टी चित्रित** है, जिसके पैर ऊपर की ओर हैं और एक हाथ सुअर के सिर की ओर है।
- **काल निर्धारण में प्रयुक्त तकनीक:**
  - शोधकर्त्ताओं ने चूना पत्थर गुफाओं में [कैल्साइट निक्षेप](#) **के यूरेनियम शृंखला (U-सीरीज़) विश्लेषण** का उपयोग कर इस शैल कला का काल निर्धारण किया।
    - शोधकर्त्ताओं ने इन चित्रों का काल निर्धारित करने के लिये लेज़र किरणों का उपयोग कर **यूरेनियम के विशिष्ट समस्थानिक** और **थोरियम के विशिष्ट समस्थानिक** के अनुपात की तुलना की।
      - [समस्थानिक](#) **(Isotope) एक ही तत्त्व के परमाणु का एक रूप** होता है, जिनकी परमाणु संख्या और रासायनिक गुण

समान होते हैं किंतु इनके परमाणु भार/द्रव्यमान संख्या तथा भौतिक विशेषताओं में भिन्नता होती है।
    - इस पद्धति का उपयोग **'लींग बुलू' सिपोंग 4 में एक अन्य गुफा चित्रकला का काल निर्धारित करने के लिये** भी किया गया था जिसे आरंभ में 43,900 वर्ष प्राचीन माना गया था।
        - इसके निष्कर्षों के अनुसार यह चित्रकला पूर्व में किये गए अनुमान से कम-से-कम 4,000 वर्ष अधिक प्राचीन है।
    - भारत में मध्य प्रदेश जैसे स्थानों में शैल चित्रकारी की एक महत्त्वपूर्ण शृंखला देखने को मिलती है किंतु **उक्त प्रकार की कोई काल निर्धारण पद्धति** मौजूद **नहीं** है।
        - मध्य प्रदेश के भीमबेटका की प्राचीनतम चित्रकारी लगभग **30,000 वर्ष पुरानी** है।
- **महत्त्व:**
    - शोधकर्त्ताओं के अनुसार इन चित्रों में मनुष्यों और जंतुओं की आलंकारिक कला का काल पूर्व में किये गए अनुमान की अपेक्षा कहीं अधिक हैं।
        - निएंडरथल मानव ने गुफाओं को उकेरना का अभ्यास लगभग **75,000 वर्ष पहले** ही शुरू किया किंतु उनके द्वारा किये गए ये अंकन **आलंकारिक/प्रतीकात्मक नहीं** होते थे।
    - यह न केवल प्रारंभिक मनुष्यों की सांस्कृतिक प्रथाओं के संबंध में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है अपितु कथा की एक परिष्कृत परंपरा के उद्भव का भी सुझाव देता है जिसमें **मनुष्यों और जंतुओं के बीच संबंधों को दर्शाने के लिये दृश्य कलाओं का उपयोग** किया गया।

भीमबेटका शैल चित्रकारी (रॉक पेंटिंग)

- **अवस्थिति:** यह मध्य प्रदेश के **विंध्यन पर्वतमाला में भोपाल के दक्षिण में स्थित है**, जहाँ 500 से अधिक शैलचित्रों वाले शैलाश्रय हैं।
    - भीमबेटका की गुफाओं की खोज वर्ष **1957-58 में वी. एस. वाकणकर** ने की थी।
    - इसे वर्ष 2003 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
- **समयावधि:** अनुमान है कि **सबसे पुरानी चित्रकारी 30,000 वर्ष पुरानी हैं** तथा गुफाओं के अंदर स्थित होने के कारण आज भी सुरक्षित हैं।
    - 100,000 ईसा पूर्व से 1000 ईस्वी तक गुफाओं में व्याप्ति में स्पष्ट निरंतरता है तथा **अनेक चित्र (पेंटिंग) एक के ऊपर एक चित्रित किये गए हैं।**
        - कुछ स्थानों पर तो एक के ऊपर एक चित्रों की 20 परतें हैं।
    - भीमबेटका की चित्रकारी **उच्च पुरापाषाण, मध्यपाषाण, ताम्रपाषाण, प्रारंभिक ऐतिहासिक और मध्यकालीन काल** की है।
        - हालाँकि अधिकांश चित्र मध्यपाषाण युग के हैं।
- **चित्रकारी तकनीक:** इसमें प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त विभिन्न रंगों जैसे लाल गेरू, बैंगनी, भूरा, सफेद, पीला और हरा आदि का उपयोग किया जाता है।
    - लाल रंग के लिये हेमेटाइट अयस्कों का इस्तेमाल किया गया था और सफेद रंग संभवतः चूना पत्थर से बनाया गया था।
    - हरा रंग चाल्सेडनी नामक हरे रंग की चट्टान से तैयार किया गया था।
    - ब्रश पौधे के रेशे से बनाए गए थे।
- **चित्रों की विषय-वस्तु:** प्रागैतिहासिक पुरुषों के रोज़मर्रा के जीवन को अक्सर छड़ी जैसी मानव आकृतियों में दर्शाया गया है।
    - हाथी, बाइसन, हरिण, मोर और साँप जैसे विभिन्न जानवरों को दर्शाया गया है।
    - शस्त्रधारी पुरुषों के साथ शिकार के दृश्य और युद्ध के दृश्य।
    - सरल ज्यामितीय डिज़ाइन और प्रतीक।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. सुप्रसिद्ध चित्र "बणी ठणी" किस शैली का है? (2018)

(a) बूँदी शैली
(b) जयपुर शैली
(c) काँगड़ा शैली
(d) किशनगढ़ शैली

उत्तर: (d)

प्रश्न. बोधिसत्व पद्मपाणि का चित्र सर्वाधिक प्रसिद्ध और प्रायः चित्रित चित्रकारी है, जो- (2017)

(a) अजंता में

(b) बादामी में

(c) बाघ में

(d) एलोरा में

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/51,200-year-old-cave-painting-discovered